

नमूना स्थान अनुबंध

एबीसी इस फॉर्म का प्रयोग राष्ट्रीय सेवकाई और स्थानीय संस्थान के बीच के सम्बन्धों को समझाने के लिए करती है।

एबीसी का उद्देश्य कलीसिया को सेवकाई के लिए अगुवों को विकसित करने के लिए तैयार करके मसीह की देह की सेवा करना है। एक स्थानीय कलीसिया या सेवकाई संगठन को SGC पाठ्यक्रमों का उपयोग करके सेवकाई प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने की सिफारिश जा सकती है।

स्थानीय सेवकाई द्वारा अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा नहीं करने की स्थिति में एबीसी के पास इस अनुबंध को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है।

एबीसी निम्नलिखित चीजें प्रदान करता है:

- 20 सेवकाई प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का एक सेट
- शिक्षकों के लिए एक प्रशिक्षण सेमिनार
- यह स्थानीय शिक्षकों को प्रोत्साहित करने और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए प्रशासन प्रशिक्षण स्थल का दौरा करती है
- प्रत्येक पाठ्यक्रम के पूरा होने पर छात्रों के लिए प्रमाण पत्र (प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए प्रत्येक छात्र के पास पाठ्यक्रम की एक व्यक्तिगत प्रति का होना आवश्यक है)
- सम्पूर्ण कार्यक्रम को पूरा करने के लिए एक प्रमाण पत्र
- सेवकाई स्थान पर एक एबीसी चिह्न लगाया जाता है

स्थानीय सेवकाई निम्नलिखित के लिए प्रतिबद्धता करती है:

- एबीसी प्रशासन के अनुमोदन से विश्वासयोग्य, सक्षम स्थानीय शिक्षकों की नियुक्ति करना
- शिक्षकों से एबीसी प्रशासन के प्रशिक्षण और निर्देशों में सहयोग करने की माँग करना
- एक ऐसी कक्षा उपलब्ध करवाना जो अच्छे अध्ययन के लिए अनुकूल हो
- स्थानीय शिक्षकों को आवश्यकतानुसार आर्थिक रूप से सहयोग देना
- प्रत्येक आवश्यक पाठ्यक्रम प्रति के लिए नामांकन शुल्क एकत्र करना और उसे एबीसी को भेजना
- एबीसी प्रशासन को छात्र की उपस्थिति और पूर्ण किए गए नियत कार्यों के रिकॉर्ड उपलब्ध करवाना
- एबीसी द्वारा दिए गए चिह्नों को लगाना। चिह्न एबीसी की संपत्ति है और इस अनुबंध के रद्द होने की स्थिति में इसे हटा दिया जाएगा।

स्थानीय सेवकाई का नाम _____

स्थानीय सेवकाई के प्रतिनिधि के हस्ताक्षर _____

एबीसी के अधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर _____